राजस्थान में बिजली का संकट

296. **श्री वृद्धि चन्द जैन :**
श्री कृष्ण चन्द्र हाल्वर
श्री ई० बालानन्दन :

क्या ऊर्जा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) राजस्थान में कृषि उद्योग तथा सामान्य उपभोक्ताओं की बिजली की वास्तविक मांग क्या है ;

(ख) इस समय वहां कितनी बिजली उपलब्ध है ;

(ग) क्या केन्द्रीय सरकार राज्य के विद्युत-संकट को दूर करने तथा पड़ौसी राज्यों और केन्द्रीय पूल से इस ओर बिजली की सप्लाई करके राज्य में बिजली की स्थिति में सुधार करने के लिए तैयार है; और

(घ) यदि हां, तो तत्सम्बन्धी ब्यौरा क्या है ?

ऊर्जा मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री विक्रम महाजन) : (क) और (ख) राजस्थान की ऊर्जा सम्बन्धी प्रतिबंधित दैनिक आवश्यकता 190 से 220 लाख यूनिट तक अलग-अलग है। इसकी तुलना में इस समय उपलब्धता राजस्थान परमाणु विद्युत संयंत्र 1 तथा 2 में बन्दी हो जाने के कारण 90 लाख यूनिट प्रतिदिन है। कृषि की अनुमानित आवश्यकता लगभग 100 लाख यूनिट, औद्योगिक उपभोक्ताओं की अनुमानित आवश्यकता 97 लाख यूनिट तथा अन्य उपभोक्ताओं की अनुमानित आवश्यकता 23 लाख यूनिट प्रतिदिन हैं।

(ग) और (घ) चूंकि सभी पड़ौसी राज्य विद्युत की कमी का सामना कर रहे हैं, अतः पड़ौसी राज्यों से राजस्थान को कोई सहायता दे सकना सम्भव नहीं हुआ है। तथापि राजस्थान में विद्युत की कमी को कम करने के लिए केन्द्रीय क्षेत्र के बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र से उन राज्यों को सहायता दी गई है। फरवरी, 1982 के प्रथम पखवाड़े के दौरान बदरपुर ताप विद्युत केन्द्र से राजस्थान को 51 लाख यूनिट तक की सहायता दी गई थी।

Production of Molasses and Alcohol

297. SHRI ZAINAL ABEDIN :
SHRI MUKUNDA MANDAL:

Will the Minister of PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS be pleased to state :

(a) whether there is any proposal to increase the output of molasses and alcohol so that the alcohol-based industries do not suffer; and

(b) if so, the details thereof?

THE MINISTER OF PETROLEUM, CHEMICALS AND FERTILIZERS (SHRI P. SHIV SHANKAR) (a) and (b). In our country, alcohol is produced by fermentation of molasses which is a by-product in the manufacture of sugar. Hence, even though there is sufficient distillation capacity in the country, the total production of alcohol in any given year is determined by the production of sugar.

In order to improve the availabi lity of alcohol, the State Governments have been requested (i) to ensure that all available molasses is gainfully used (ii) to encourage the use of Khandsari molasses for alcohol production and (iii) to ensure creation (by sugar factories) of adequate and proper storage facilities for molasses.

The Government had also set up a Committee of technical experts to